डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी द्वारा आयोजित पुस्तकायन पुस्तक मेले का भव्य शुभारंभ
बच्चे अपने परिवेश के प्रति भी जागरूक हों – नासिरा शर्मा
बाल कलाकारों द्वारा ओड़िशी, भरतनाट्यम एवं कत्थक नृत्यों की प्रस्तुति
बालस्वरूप राही, मधु पंत, देवेंद्र मेवाड़ी एवं रईस सिद्दकी ने बाल साहित्य के कल, आज और कल पर की चर्चा

नई दिल्ली। 11 नवंबर 2022; साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित 'पुस्तकायन' पुस्तक मेले का आज भव्य शुभारंभ प्रख्यात लेखिका नासिरा शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर साहित्य अकादेमी के उपाध्यक्ष माधव कौशिक, संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सचिव उमा नंदूरी, राज्यसभा सांसद सत्यनारायण जटिया भी उपस्थित थे। उपस्थित श्रोताओं को संबोधित करते हुए नासिरा शर्मा ने कहा कि इस तरह के पुस्तक मेलों के आयोजनों से ही हम बच्चों और युवाओं को जरूरी संस्कार दे सकते हैं। 'बाल साहित्य' की थीम पर केंद्रित इस पुस्तक मेले के लिए साहित्य अकादमी को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि मैं खुद को बाल लेखिका ही मानती हूँ और बच्चों के बीच आकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। मैंने अपना लेखन बाल लेखन से ही शुरू किया था। आगे उन्होंने कहा कि मैं बच्चों से एक बात जरूर कहना चाहूँगी कि आप अपनी पढ़ाई में कितने भी व्यस्त हो लेकिन अपने आस–पास के परिवेश, प्रकृति और पर्यावरण का भी ध्यान रखना होगा। उन्होंने बच्चों को अपने मोबाइल फोन और इंटरनेट को कम समय देकर अपने गाँव और देश को समझने की अधिक कोशिश करने पर बल दिया।

राज्यसभा सांसद सत्यनारायण जटिया ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव अपने आप में विशिष्ट इसलिए है कि स्वतंत्रता स्वयं में एक महत्त्वपूर्ण जीवन मूल्य है। उन्होंने बच्चों को पिछले इतिहास और क्रांतिकारियों से सीखने की अपील करते हुए कहा कि बच्चे ही इस राष्ट्र की नींव को और मजबूत करेंगे। उन्होंने अपनी स्वरचित बाल कविता भी प्रस्तुत की। संस्कृति मंत्रालय में संयुक्त सचिव उमा नंदूरी ने कहा कि पूरे देश में हर 15 मिनट के अंतराल में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत एक कार्यक्रम हो रहा है और यह गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित यह कहीं न कहीं देश में एक सांस्कृतिक बदलाव लाने की एक बड़ी कोशिश का हिस्सा है। उन्होंने बच्चों से अपील की कि वे अपना समय बचाकर अपने माता–पिता से संवाद करें और उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे भी अपने बच्चों से संवाद करें क्योंकि यही स्वस्थ विकास का आधार है। साहित्य अकादेमी के उपाध्यक्ष माधव कौशिक ने कहा कि आजादी को हमतक पहुँचाने में लेखकों का बड़ा हाथ है, क्योंकि उनके लेखन को पढ़कर ही क्रांतिकारियों में जोश आया और उन्होंने आजादी की लड़ाई को घर–घर तक पहुँचा दिया था। इसलिए एक मायने में लेखक केवल लेखक नहीं बल्कि स्वतंत्रता सेनानी भी हैं। साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने कहा कि इस 'पुस्तकायन' मेले के माध्यम से हम अधिक से अधिक पाठकों को इससे जोड़ना चाहते हैं, जिससे पुस्तक संस्कृति का व्यापक प्रचार–प्रसार हो सके।

'पुस्तकायन' पुस्तक मेले में 'बाल साहित्य : कल आज और कल' विषय पर प्रख्यात बाल साहित्यकारों मधु पंत, देवेंद्र मेवाड़ी और रईस सिद्दीकी ने अपने विचार प्रस्तुत किए। इन सबका कहना था कि बच्चों को स्वाभाविक रूप से अपनी गतिविधियाँ जारी रखने की अनुमति मिलनी चाहिए। बच्चों की इच्छाओं का दमन करना या उनपर अपनी मानसिकता लादने से उनकी कल्पनाशीलता और जिज्ञासा कुंद हो जाती है। 'अपने प्रिय लेखक से मिलिए' कार्यक्रम के अंतर्गत प्रख्यात बाल साहित्यकार बालस्वरूप राही ने कहा कि 'कविता में क्या कहा गया से अधिक महत्वपूर्ण, क्या छोड़ा गया होता है।' इससे पाठक की कल्पना शक्ति में विस्तार होता है। उन्होंने उपस्थित श्रोताओं के सवालों के जवाब दिए और अपनी कविताएँ प्रस्तुत की। आजादी के रंग बाल कलाकारों के संग शीर्षक से सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी हुई जिनमें बाल कलाकारों ने ओड़िसी (शुभश्री प्रधान), भरतनाट्यम् (कीर्ति कच्छावा) और कत्थक (राजुल आकारिया) नृत्य प्रस्तुत किया।

ज्ञात हो कि साहित्य अकादेमी द्वारा पहली बार कई प्रकाशकों को शामिल करते हुए आयोजित हुए इस मेले में तीस से ज्यादा प्रकाशक भाग ले रहे हैं। यह पुस्तक मेला 18 नवंबर 2022 तक चलेगा।

(के. श्रीनिवासराव)

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in